Prime Minister shares Sanskrit Subhashitam highlighting the value and strength of daughters

प्रविष्टि तिथि: 22 JAN 2026 9:26AM by PIB Delhi

The Prime Minister, Shri Narendra Modi said that in a country where daughters are revered as Lakshmi, the Beti Bachao Beti Padhao campaign was launched 11 years ago on this very day. He noted that it is a matter of great pride that today India's daughters are creating new records across every field and contributing significantly to the nation's progress.

The Prime Minister shared a Sanskrit Subhashitam reflecting the timeless Indian ethos on the importance of daughters-

"दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान् प्रवर्धयन्। यत् फलम् लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकया॥"

The Subhashitam conveys that a daughter is equal to ten sons, and the merit or virtue that a person attains from ten sons can also be attained from a single daughter.

The Prime Minister wrote on X;

"कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नए रिकॉर्ड बना रही हैं।

दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान् प्रवर्धयन्।

यत् फलम् लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकया॥"

> कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नए रिकॉर्ड बना रही हैं।
>
> दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान् प्रवर्धयन्।
>
> यत् फलम् लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं… pic.twitter.com/OOnaRY6OKS
>
> — Narendra Modi (@narendramodi) January 22, 2026

****

MJPS/ST

(रिलीज़ आईडी: 2217141) आगंतुक पटल : 663
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Urdu , Marathi , हिन्दी , Bengali , Assamese , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam